सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 1 | अंक 21 | अजमेर, गुरुवार 25 अप्रैल 2024 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

88 सीटों पर शुक्रवार को होगा मतदान

दूसरे चरण का प्रचार थमा, राजस्थान की 13 सीटों के लिए पडेंगे वोट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार अभियान बुधवार शाम थम गया। इस चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा।निर्वाचन आयोग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण में मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर भी चुनाव होना थाए लेकिन बहुजन समाज पार्टी उम्मीदवार के निधन के बाद अब इस सीट पर चुनाव सात मई को तीसरे चरण में होगा। इन सीटों पर कुल 1206 प्रत्याशी चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। इस चरण में केरल की 20, कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ-आठ, मध्य प्रदेश की छह, असम और बिहार की पांच-पांच छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन-तीन और जम्मू-कश्मीर मणिपुर तथा त्रिपुरा की एक-एक सीट पर मतदान होगा। मत सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक डाले जायेंगे और मतगणना चार जून को होगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार इस चरण के लिए 89 सामान्य पर्यवेक्षक 53 पुलिस

पर्यवेक्षक और 109 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की जीत की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए कई रैली और रोड शो किए। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी सक्रिय रूप से प्रचार किया। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने जमकर चुनाव प्रचार किया।

कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उप.मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी तथा पार्टी के दिग्गज नेताओं ने भी जोर-शोर से चुनाव प्रचार किया।

दूसरे चरण की हाई प्रोफाइल सीटों में जहां वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अग्नि परीक्षा होगी वहीं तीन केंद्रीय मंत्री और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। राजस्थान के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्रों के भाग्य का फैसला भी जनता 26 अप्रैल को ही तय करेगी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को टिकट दिया है। कर्नाटक की मान्ड्या लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी की साख दांव पर है। कुमारस्वामी की पार्टी जनता दल सेक्युलर का भाजपा के साथ गठबंधन हैं। केरल की तिरुअनंतपुरम सीट भी चर्चा में है जहां से केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर से है। राजस्थान की जोधपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कोटा से तीसरी बार चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। मथुरा सीट से हेमा मालिनी और मेरठ सीट से धारावाहिक रामायण का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। भाजपा के युवा सांसद तेजस्वी सूर्या की साख बेंगलुरु दक्षिण लोकसभा सीट पर दांव पर लगी है। तेजस्वी ने पिछला चुनाव इसी सीट से जीता था। कांग्रेस ने यहां सौम्या रेड्डी को टिकट दिया है। बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट शुरुआत से ही चर्चा में रही है। राष्ट्रीय जनता दल ने यहां बीमा भारती को उतारा है।राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव इस सीट पर कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ना चाहते थेए लेकिन गठबंधन सहयोगी राजद ने कांग्रेस को यह सीट नहीं दी। अब पप्पू यादव इसी सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में हैं।

गौरतलब है कि लोक सभा के पहले चरण के चुनाव में 16.63 करोड़ मतदाताओं ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल सहित कुल आठ केन्द्रीय मंत्रियों, दो पूर्व मुख्यमंत्रियों और एक पूर्व राज्यपाल सहित 1605 प्रत्याशियों के चुनावी भविष्य का फैसला तय किया था। पहले चरण में 102 सीटों पर औसतन 62 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था।

भारत एक दिन महाशक्ति बनेगा - भजनलाल शर्मा

भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के समर्थन में जनसभा

अजमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि भारत का बढ़ता हुआ सामर्थ्य और जज्बा विश्व के सामने है और भारत एक दिन महाशक्ति बनेगा। भजनलाल बुधवार को लोकसभा चुनाव द्वितीय चरण प्रचार समाप्ति से पहले अपनी आखरी चुनावी सभा अजमेर जिले की केकड़ी विधानसभा क्षेत्र के सरवाड़ में जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि दुनिया के अनेक देश भारत के पीछे और साथ खड़े हैं। ये सब देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में सम्भव हो सका है।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार भागीरथ चौधरी के समर्थन में जनसभा में भाजपा को जिताने की अपील कर रहे थे। डूंगरपुर, भीलवाड़ा, प्रतापगढ़ में दौरा कर तीन घंटे विलंब से पहुंचे, भजनलाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए कहा कि माताओंए बहनों का हमेशा ख्याल रखा है। माताओं और बहनों को आगे बढ़ाने का काम किया है। जब तक महिलाएं आगे नहीं बढ़ेंगीए तब तक देश की तरक्की नहीं हो सकती है। भजनलाल ने कहा कि मोदी ने 2014 के बाद गरीब की परिभाषा बदलने का काम किया है। उन्होंने गरीब कल्याण के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों का कल्याण किया। इतना ही नहीं सीमाओं की सुरक्षा कर भारत का गौरव बढ़ाया है।

सुप्रीमकोर्ट ने ईवीएम,वीवीपैट पर चुनाव आयोग से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ;ईवीएम के माध्यम से पड़े मतों के साथ वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ;वीवीपैट की पर्चियों की गिनती 100 फीसदी तक बढ़ाने की याचिका पर बुधवार को चुनाव आयोग से कई स्पष्टीकरण देने के साथ ही यह भी बताने को कहा कि क्या माइक्रो कंट्रोलर एक बार प्रोग्राम करने योग्य हैध्न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने चुनाव आयोग से आज दो बजे से पहले ईवीएम.वीवीपैट से संबंधित कई तथ्य स्पष्ट करने को कहा। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और अन्य वकील से कहा कि हम बस कुछ स्पष्टीकरण चाहते थे। शीर्ष अदालत ने यह जानना चाहा कि क्या कंट्रोल यूनिट या वीवीपैट में माइक्रो कंट्रोलर स्थापित है।पीठ ने चुनाव आयोग से पूछा कि हमें लगा कि नियंत्रण इकाई में मेमोरी स्थापित है। हमें बताया गया कि वीवीपैट में फ्लैश मेमोरी है। क्या माइक्रो कंट्रोलर एक बार प्रोग्राम करने योग्य है। हमें बस इसकी पुष्टि कर दें। शीर्ष अदालत ने यह भी जानना चाहा कि चुनाव आयोग के पास कितनी प्रतीक लोडिंग इकाइयां उपलब्ध थीं।पीठ ने ईवीएम के डेटा को बरकरार रखने की समय सीमा भी जानना चाहा। पीठ ने चुनाव आयोग की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भाटी और वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह से पूछा कि आपने कहा कि चूंकि चुनाव याचिका दायर करने की सीमा 30 दिन है। इसलिए ईवीएम में डेटा 45 दिनों तक संग्रहित रहता हैए लेकिन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 81 के अनुसार उस सीमा की अवधि 45 दिन है। ऐसे में ईवीएम में डेटा रखने का समय बढ़ाना होगा। पीठ ने कहा कि हम इस बारे में आश्वस्त होना चाहते थे।

लोकसभा चुनाव : राजस्थान में भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं की 37 सभाएं और 10 रोड शो

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित 14 राष्ट्रीय नेता एवं प्रदेश के 50 से अधिक नेताओं ने पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया।भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने बुधवार को यहां भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। डा सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि चुनाव प्रचार के गत 40 दिनों में मोदी केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंहए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित केंद्र के 14 वरिष्ठ नेता प्रदेश में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में विभिन्न सभाओं और अन्य आयोजनों में भाग लिया।उन्होंने बताया कि इस दौरान केंद्रीय नेताओं की 37 सभाएं हुई और 10 रोड.शो आयोजित किए गए जबकि तीन पत्रकार वार्ता और 14 अन्य सम्मेलन आयोजित हुए वहीं इस दौरान प्रदेश स्तर के नेताओं में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्माए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं प्रेम चंद बैरवाए पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डा सतीश पूनियां, कैबिनेट मंत्री और अन्य मंत्रियों सहित 51 वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली।उन्होंने बताया कि प्रचार के दौरान प्रदेश स्तरीय नेताओं की 144 सभाएं हुई जबकि 34 रोड. शो आयोजित किए गए और 73 अन्य सम्मेलन आयोजित हुए। यह काम केवल केंद्रीय या प्रदेश स्तरीय नेताओं तक सीमित नहीं थाए हमारा हर कार्यकर्ता अपने.अपने बूथ पर पार्टी का प्रवक्ता बनकर काम कर रहा था और पार्टी के काम का हिसाब.किताब भी देता था। कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं से मिलकर जनादेश के लिए प्रार्थना भी की है। उन्होंने कहा कि इस आधार पर हम कह सकते हैं कि हमने राजस्थान के सभी 25 लोकसभा क्षेत्रों को कवर करने की पूरी कोशिश की है।उन्होंने कहा कि मोदी सहित हमारे राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, मंडल और बूथ स्तर के सभी कार्यकर्ता बहुत मेहनत करते है। भाजपा के कार्यकर्ता परिश्रम व प्रतिभा से लोकशिक्षण का प्रयास करते हैं इसलिए हम कहते हैं कि हमारे कामों के आधार पर मतदाता को अपना निर्णय करना चाहिए। हम प्रबोधन और लोक शिक्षण को बहुत प्रधानता देते हैं।

उल्लेखनीय है कि गत 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में 12 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है और 26 अप्रैल को शेष 13 सीटों पर मतदान होगा। दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार बुधवार शाम छह बजे थम गया।

सम्पादकीय

मतदाता की बेरुखी लोकतंत्र के लिए नहीं हैं अच्छे संकेत

18 वीं लोकसभा के लिए पहले चरण की 102 सीटों के लिए मतदान के प्रति मतदाताओं की उदासीनता ने निराश ही किया है। आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी मतदान प्रतिशत बढ़ने के स्थान पर कम होना निश्चित रुप से किसी भी रुप में लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता है। चुनाव आयोग के लाख प्रयासों के बावजूद मतदान प्रतिशत कम होना निश्चित रुप से सोचने को मजबूर कर देता है। चुनाव आयोग से पहले चरण के मतदान के प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया जाये तो साफहो जाता है कि 2019 की तुलना में दो प्रतिशत तक मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। हांलाकि त्रिपुरा और सिक्किम में मतदान का आंकड़ा 80 प्रतिशत को छूने में सफ्ल रहा है पर वहां भी 2019 की तुलना में कम है। त्रिपुरा में 2019 के 81.9 प्रतिशत की तुलना में 81.5 प्रतिशत और सिक्किम में 84.8 प्रतिशत की तुलना में 80 प्रतिषत मतदान रहा है। पहले चरण के चुनावों में मतदान का सबसे कम प्रतिशत बिहार का रहा है जहां मतदान का आंकड़ा 50 प्रतिषत को भी छू नहीं पाया है। छत्तीसगढ़ में अवश्य 2019 की तुलना में एक प्रतिशत से कुछ अधिक मतदान रहा है। जहां तक राजस्थान का प्रश्न है 12 सीटों पर हुए मतदान में मतदान प्रतिषत में 6 फीसदी की गिरावट रही हैं। सभी सीटों पर मतदान का प्रतिषत 2019 की तुलना में कम रहे हैं। हांलाकि चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ें आरंभिक सूचना के आधार पर है पर इनमें कोई खास बदलाव आने की संभावना नहीं है। मजे की बात यह है कि पहले चरण में लोकसभा की 543 सीटों में से 20 प्रतिशत से कुछ कम 102 सीटों पर मतदान हो चुका हैं। यदि मतदाताओं का अगले चार चरणों के मतदान में भी यही रुख रहता है तो यह चुनाव आयोगए राजनीतिक दलों, लोकतांत्रिक व्यवस्थाए गैरसरकारी संगठनों सहित सभी के लिए चिंतनीय हो जाता है। मतदान में हिस्सा नहीं लेने वाले मतदाताओं को किसी भी हालत में देश का जिम्मेदार नागरिक नहीं कहा जा सकता। आज चुनाव आयोग ने जहां अवेयरनेस प्रोग्राम के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागृत किया हैं वहीं पारदर्शी और सहज मतदान व्यवस्था सुनिश्चित की है। आज मतदाताओं को किसी राजनीतिक दल पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। एक मतदान केन्द्र पर एक सीमा तक ही मतदाता होने के साथ ही मतदान केन्द्र पर सभी तरह की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। अब तो मतदाता को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता क्रमांक से लेकर मतदान केन्द्र तक की जानकारी का समावेश करते हुए परची उपलब्ध कराई जाती है। सीनियर सिटिजन और मतदान केन्द्र तक जाने में अक्षम मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी गई है। मतदाताओं को जागृत करने के लिए प्रचार के सभी माध्यम यहां तक कि सोशियल मीडिया का उपयोग किया जाने लगा है। मतदान को निष्पक्ष और भयमुक्त कराने के लिए संपूर्ण व्यवस्था चाक चोबंद की जाती है। राजनीतिक दलों और उम्मीद्वारों की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जाती है। यहां तक कि उम्मीद्वार से संबंधित जानकारी साझा की जाती है। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर विशेष व्यवस्था होती है। कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही मतदान केन्द्र पर सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा यह नहीं भूलना चाहिए कि साक्षरता और लोगों में जागरुकता आई है। चुनाव आयोग के अलग अलग ऑब्जरवर द्वारा पूरी व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी जाती है ताकि राजनीतिक दलों या उम्मीद्वारों द्वारा मतदाताओं को किसी भी गलत तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सके। इस सबके बावजूद मतदान कम होना गंभीर हो जाता है।

लोकसभा के पहले चुनाव 1952 में 44.87 प्रतिशत मतदान रहा था जो सर्वाधिक 67.40 प्रतिशत 2019 के 17 वीं लोकसभा के चुनाव में रहा। मतदान में उतार चढ़ाव तो देखा जाता रहा है पर चुनाव व्यवस्था के सरलीकरण, पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव की चाकचोबंद व्यवस्थाए ग्रामीण और शहरी सभी क्षेत्रों में साक्षरता में बढ़ोतरी के बावजूद यदि मतदान प्रतिशत 90 के आंकड़ें को भी नहीं छूता है तो यह घोर निराशाजनक है।

सूरत सीट से भाजपा उम्मीदवार मुकेश भाई दलाल निर्विरोध विजेता घोषित

सूरत। गुजरात में सूरत लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मुकेशभाई दलाल को सोमवार को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया गया। सूरत जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार मुकेशभाई दलाल को सोमवार को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया है।सूरत संसदीय क्षेत्र के चुनाव से पहले निर्दलीय सहित आठ उम्मीदवारों ने अपने फॉर्म वापस लेने के बाद 24.सूरत संसदीय निर्वाचन विभाग के निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौरभ पारधी ने कलेक्टर कार्यालय में सामान्य पर्यवेक्षक दीपक आनंद की उपस्थिति में निर्विरोध विजेता मुकेशभाई दलाल को प्रमाण पत्र देकर विजेता घोषित किया।जिला निर्वाचन अधिकारी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियमए 1951 की धारा 53 की उपधारा ;2 के तहत सूरत.24 लोकसभा सीट के चुनाव परिणाम की घोषणा की है।

रौप्य महोत्सव : पुणे में ९००० हिन्दुओं की माजूदगी में निकाली सनातन गौरव दिंडी

पुणे। सनातन संस्था के रौप्य महोत्सव के उपलक्ष्य में सनातन धर्म पर हो रही टीका-टिप्पणी को उत्तर देने व सनातन धर्म का गौरव बढाने के लिए रविवार शाम पुणे में 9000 से भी अधिक हिन्दुओं ने एकत्र आकर सनातन गौरव दिंडी निकाली। इसमें 20 से भी अधिक विविध संप्रदाय.संगठन सम्मिलित हुए थे। शहर में अनेकानेक स्थानों पर रंगोली बनाकर और दिंडी ;फेरी पर पुष्पवृष्टि कर लोगों ने दिंडी का सम्मान किया।प्रारंभ में पुणे के श्रीमती लक्ष्मीबाई दगडूशेठ हलवाई दत्त मंदिर के विश्वस्त राजेंद्र बलकवडे एवं श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुनील रासने ने धर्मध्वज पूजन किया। इसके बाद भिकारदास मारुति मंदिर से ;महाराणा प्रताप उद्यान सेद्ध सनातन गौरव दिंडी का भक्तिमय वातावरण में देवी.देवताओं के जयघोष से प्रारंभ हुआ।इस दिंडी में सनातन संस्था की सद्गुरु स्वाती खाडये गजानन बळवंत साठे, संगीता पाटिल, मनीषा पाठक आदि संतों की वंदनीय उपस्थिति थी। इसके साथ ही स्वातंर्त्यवीर सावरकर विचार मंच के महामंत्री विद्याधर नारगोलकर, महाराष्ट्र गोसेवा अध्यक्ष शेखर मुंदडा, श्री संप्रदाय की महिला अध्यक्ष सुरेखा गायकवाड, गायकवाड, पतित पावन संगठन पुणे के अध्यक्ष स्वप्निल नाईक एवं ग्राहक पेठ के कार्यकारी संचालक सूर्यकांत पाठक, सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस एवं हिन्दू जनजागृति समिति के महाराष्ट्र संगठक एवं महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के राज्य समन्वयक सुनील घनवट उपस्थित थे।

सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस ने कहा कि सनातन संस्था गत 25 वर्षों से निस्वार्थभाव से सनातन हिन्दू धर्म की सेवा कर रही है। सनातन धर्म पर मंडराते संकटों के विरोध में खडी है। सनातन धर्म पर आरोपों का खंडन करनाए हिन्दुओं को धर्मशिक्षा देकर धर्माचरण के लिए प्रेरित करनाए सभी को एकत्र कर धार्मिक एकता के लिए और धर्मरक्षा के लिए सनातन संस्था ने अविरत काम कर रही है।आज कोई भी उठता है और सनातन धर्म को डेंग्यू.मलेरिया की उपमा देकर सनातन धर्म के निर्मूलन की बात करता है इसके लिए अनेकानेक परिषदें आयोजित की जाती हैं। हिन्दुओं को संगठित होकर अब उन्हें योग्य उत्तर देने की आवश्यकता है। इसके लिए सनातन संस्था के रौप्य महोत्सव के उपलक्ष्य में हिन्दुओं ने एकत्र होकर सनातन गौरव दिंडी निकाली। इसमं देवी.देवता और संतों की पालकियों सहित 70 से भी अधिक पथक सम्मिलित हुए।प्रभु श्रीराम का जयघोष करते हुए निकाली हुई इस दिंडी में महाराष्ट्र की कुलदेवी श्री तुळजाभवानी माताए श्रीविट्ठल.रुक्मिणीमाता, श्रीखंडोबा. म्हाळसादेवी, संत सोपानदेव, छत्रपति शिवाजी महाराज एवं सनातन संस्था के संस्थापक सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. जयंत आठवलेजी की प्रतिमा युक्त और पुष्पों से सुसज्जित पालकियां सम्मिलित हुई। नौ गज की साडी परिधान किए हिन्दू संस्कृति के दर्शन करवाने वाली पारंपरिक वेश के साधकए कार्यकर्ताए तुलसी धारण किए हुए महिलाएं, छत्रपति शिवाजी महाराज, शिवाजी के मावळे ;सैनिक, बाजीप्रभु देशपांडे झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के वेश में बालक-बालिकाएं इसके साथ ही रणरागिनी द्वारा दिखाए गए स्वरक्षा के प्रात्यक्षिक इस दिंडी के मुख्य आकर्षण रहे। दिंडी में 70 से भी अधिक पथक 20 से भी अधिक आध्यात्मिक संस्थाएं, संगठनए संप्रदायए मंडलए मंदिरों के विश्वस्त सम्मिलित हुए। दिंडी के मार्ग में 12 से भी अधिक स्थानों पर धर्मप्रेमी, समाज के विविध गणमान्य, प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने दिंडी का स्वागत कर धर्मध्वज पूजन किया।

वीर सावरकर स्मारक के सामने विमलाबाई गरवारे प्रशाला के मैदान में दिंडी का समापन हुआ। इस अवसर पर उपस्थित मान्यवरों ने अपना मनोगत व्यक्त किया। दिंडी के अंत में सनातन संस्था के पुणे निवासी चैतन्य तागडे ने दिंडी में सम्मिलित लोगों का आभार व्यक्त किया।

अयोध्या में रामलला के दर्शन कर निहाल हुए 30 देशों के रामभक्त

अयोध्या। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान श्रीरामलला का दर्शन करने सोमवार को 30 देशों से 90 विदेशी श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं का नेतृत्व वैश्विक भारत के ब्रांड अंबसडर व दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली ने किया। सभी श्रद्धालुओं का स्वागत रामनामी अंगवस्त्र देकर व माथे पर चंदन का तिलक लगाकर किया गया।

इससे पहले बीती शाम सभी श्रद्धालु सरयू घाट पर आरती में भी शामिल हुए। इस टोली ने हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचकर राम भक्त बजरंगबली का आशीर्वाद भी लिया। वहीं सोमवार को सभी ने श्रीराम मंदिर में बैठकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। इस दौरान प्रवासी भारतीयों की 400 श्रद्धालुओं की टोली ने भी रामलला के दर्शन किए।अयोध्या पहुंचने वालों में प्रमुख रूप से भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेत्सोप नामग्याल, काउंसलर दोरजिक किंजांग, चीन गणराज्य ;ताइवान प्रतिनिधि कुमारी त्साई जेन चुन भारत में रोमानिया महावाणिज्य दूत विजय मेहता व टुवालू महावाणिज्य दूत डॉ. दीपक जैन और निर्वासित तिब्बत संसद के स्पीकर खेंपो सोनम तेनफेल उपस्थित रहे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चाक.चौबंद इंतजाम किए गए थे।दर्शन करने वाले प्रवासी भारतीयों में ऑस्ट्रेलिया,ब्रनेई भूटान, कनाडा, कोलंबियाए कंबोडिया, जॉर्जिया, गुयाना, केन्या, कजाकिस्तान, मलेशिया, मोजाम्बिक, मकाऊ, नाइजीरिया, नेपाल, नॉर्वे, रोमानिया, रवांडा, स्पेन,सिंगापुर, सिंट मार्टेन, चीन गणराज्य ;ताइवान, ताजिकिस्तान, त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो, तुवालु, तिब्बत, युगांडा, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका इत्यादि देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे।सभी राम भक्तों के भोजन की व्यवस्था दिल्ली के समाजसेवी गोपाल गर्ग ने की। गौरतलब है कि बीते वर्ष 23 अप्रैल 2023 को डॉ.जौली की पहल पर 156 देशों व सात महाद्वीपों के नदियों व समुद्रों के जल से राम मंदिर में अभिषेक किया गया था।

इस अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राम लालए विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेशए उज्बेकिस्तान के व्यवसायी अशोक के तिवारी ;प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित भूपेंद्र कंसल ;महामंत्री हिमालय परिवार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जालोर-सिरोही-सांचौर संसदीय सीट

कभी जिस शहर में नहीं घुसे, अशोक गहलोत बेटे के लिए उसकी तंग गलियों में रोड शो

सिरोही। लोकसभा चुनाव में जालोर-सिरोही-सांचौर संसदीय सीट में पड़ने वाले सिरोही जिले की सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर आबूरोड में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रोड शो निकाला।मुख्यमंत्री काल में मॉर्डन इंसुलेटर से हवाई पट्टी के बीच की छोटी सड़कों के आगे नहीं बढ़ने वाले अशोक गहलोत ने आबूरोड की तंग गलियों में रोड शो निकाला। यहां पर उनको लेकर लोगों में उत्साह नजर आया। शायद ये पहला मौका रहा होगा जब आबूरोड के सदर बाजार में कोई पूर्व मुख्यमंत्री स्तर का नेता घुसा होगा।जालोर सिरोही सांचौर लोकसभा सीट पर अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। यहां पर उनकी साख दांव पर है। अपनी खुद की गृह सीट जोधपुर से पिछले लोकसभा चुनाव में अशोक गहलोत वैभव गहलोत को हारने से बचा नहीं पाए। जबकि वे उस समय राजस्थान के मुख्यमंत्री थे। वैभव गहलोत को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने बुरी तरह हराया था। इस सीट पर वैभव गहलोत 2014 में भी लड़ने वाले थेए लेकिन उनको यहां से टिकट नहीं मिला।यहां वैभव गहलोत को उतारने की प्रमुख वजह जातीय समीकरण है। यहां पर माली वोटों की आस और विभिन्न जातियों के नेताओं से अपने पुराने सम्बन्धों को भुनाने की संभावना पाले गहलोत ने वैभव गहलोत को इस सीट से उतारा।अशोक गहलोत ने जिस शहर में रोड शो निकाला ये वो शहर है जहां की सबसे बड़ी आबादी को उनके कार्यकाल में 24 घण्टे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई। जिस शहर को भीड़ भाड़ से बचाने के लिए एक अदद वैकल्पिक मार्ग नहीं दिया जा सका। इस शहर में कांग्रेस में अशोक गहलोत के रॉड शो को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया।इस शहर में इसी मार्ग पर एक पखवाड़े पहले वैभव गहलोत ने भी रोड शो निकाला था। इसमें उतने लोग नहीं जुटे थे जितने इस रोड शो में जुटे थे। यही नहीं उस रोड शो के दौरान भी अशोक गहलोत आबूरोड में ही थे। लेकिन वो संयम लोढ़ा गुट के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ हवाई पट्टी से ही तलहटी स्थित होटल में चले गए थे। वहीं वैभव गहलोत नीरज डांगी गुट के नेताओं के साथ रोड शो में आ गए थे। लेकिन इस बार नजारा अलग था।अशोक गहलोत के साथ नीरज डांगी तो थे ही लेकिनए संयम लोढ़ा गुट के माने जाने वाले स्थानीय विधायक मोतीराम कोली भी थे। ये दोनों गहलोत के साथ उनकी एसयूवी में ही सवार थे। डांगी और लोढ़ा गुट के नेता इस रोड शो में पूरे उत्साह से लगे हुए थे। आबूरोड शहर ने भी इस तरह एकसाथ काम करते हुए शायद पहली बार देखा होगा। वरना दोनों गुटों के समर्थक एक दूसरे का काम बिगाड़ते हुए ज्यादा दिखे हैं। हेलीकॉप्टर से उतरते ही अशोक गहलोत की तबीयत थोड़ी नासाज हो जाने के कारण वे बस स्टैंड के अम्बाजी मंदिर पहुंचने के बाद गाड़ी में ही रोड शो में निकले। रोड शो के बाद वे फिर से मॉर्डन इंसुलेटर के गेस्ट हाउस चले गए।

दिल्ली शराब घोटाला : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नहीं मिली बेल

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आबकारी नीति 2021-22 कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मुकदमे में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत मंगलवार को सात मई तक के लिए बढ़ा दी। राऊज एवेन्यू स्थित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाने संबंधी आदेश पारित किया।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ;सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ;ईडी से संबंधित मामलों की विशेष जज कावेरी बावेजा ने आबकारी नीति से संबंधित मामले की आरोपियों में शामिल भारत राष्ट्र समिति की नेता के कविता और एक अन्य आरोपी चनप्रीत सिंह की न्यायिक हिरासत भी 7 मई तक बढ़ाने का आदेश दिया।केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ;ईडी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल समेत तीनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत पूरी होने के बाद वर्चुअल माध्यम से विशेष अदालत में पेश किया। केजरीवाल को इससे पहले एक अप्रैल को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। ईडी ने केजरीवाल से पूछताछ के लिए कई बार उन्हें समन भेजा था। समन की अनदेखी के बाद ईडी ने 21 मार्च को उन्हें गिरफ्तार किया था।

उच्चतम न्यायालय ने आप नेता केजरीवाल की अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को बरकरार रखने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर ईडी को 15 अप्रैल को नोटिस जारी कर जवाब.तलब किया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की शीर्ष अदालत की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी को नोटिस जारी किया था लेकिन मुख्यमंत्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी की इस मामले की अगली सुनवाई शीघ्र करने की गुहार साफतौर पर ठुकरा दी थी।शीर्ष अदालत मुख्यमंत्री केजरीवाला के मामले में 29 अप्रैल को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने उससे पहले 24 अप्रैल तक ईडी को अपना जबाव दाखिल करने का निर्देश दिया था।केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। विशेष अदालत ने एक अप्रैल को उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश पारित किया था। उच्च न्यायालय से अपनी याचिका खारिज होने के एक दिन बाद उन्होंने 10 अप्रैल को शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की एकल पीठ ने नौ अप्रैल को ईडी की ओर से मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने और उस केंद्रीय जांच एजेंसी को हिरासत में देने के एक विशेष अदालत के फैसले को उचित ठहराते हुए उनकी याचिका ;मुख्यमंत्री केजरीवाल की खारिज कर दी थी।उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी और उनकी हिरासत मामले में हस्तक्षेप करने से साफ तौर पर इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने कहा था कि ईडी की ओर से अदालत के समक्ष पेश दस्तावेजों से प्रथम दृष्ट्या पता चलता है कि आरोपी केजरीवाल उक्त अबकारी नीति को तैयार करने की साजिश शामिल थे। उन्होंने ;आरोपी उस अपराध से प्राप्त आय का इस्तेमाल किया। एकल पीठ ने यह भी कहा था कि वह ;केजरीवाल व्यक्तिगत तौर पर उस नीति को बनाने और रिश्वत मांगने में भी कथित तौर पर शामिल थे।उच्च न्यायालय ने इससे पहले तीन अप्रैल को दोनों पक्षों की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव का हवाला देते हुए केंद्रीय एजेंसी द्वारा की गई अपनी गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया था।

उन्होंने आरोप लगाया था कि यह उनकी गिरफ्तारी लोकतंत्र स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और समान अवसर सहित संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन करता है। इसलिए उनकी गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध घोषित किया जाना चाहिए।ईडी ने अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली आबकारी नीति के माध्यम से गलत तरीके से करोड़ों रुपए हासिल करने और पूरे मामले में मुख्य भूमिका निभाने वाला साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया है। केन्द्रीय जांच ब्यूरो ;सीबीआई ने 17 अगस्त 2022 को अबकारी नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में की गई कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने 22 अगस्त 2022 को धनशोध का एक मामला दर्ज किया था।

ईडी का दावा है कि आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवालए पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसौदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह सहित अन्य ने अवैध कमाई के लिए साजिश रची थी। इस मामले में आप सांसद संजय सिंह को उच्चतम न्यायालय ने दो अप्रैल को जमानत दे दी थी।

राम की नगरी अयोध्या में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर एवं प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी ने बताया कि भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य और दिव्य बन रहे राम मंदिर में विराजमान रामलला के पहली बार प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ संत.धर्माचार्य व श्रद्धालुओं ने मनाया।उन्होंने बताया कि सुबह से ही श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में स्नान करने के बाद प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में जाकर हनुमानजी का मत्था टेकने के बाद भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान रामलला का दर्शन पूजन किया।

सुबह से ही श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा हुआ था।हनुमानगढ़ी मंदिर में हनुमान जयंती पर दर्शन पाने के लिए अपार भीड़ उमड़ी। उसके बाद राम मंदिर में विराजमान रामलला का श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। हनुमान जन्मोत्सव के दिन प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में और रामलला मंदिर में भव्य श्रृंगार किया गया और विशेष पूजा.पाठ कर आरती भी की गई।

HUMAN SOCIETY IS MAKING THE MISTAKE OF FORGETTING THE IMPORTANCE OF FORESTS: PRESIDENT MURMU

Human society is making the mistake of forgetting the importance of forests. Forests are life givers. The reality is that forests have preserved life on earth, said the President of India, Smt Droupadi Murmu while addressing the officer trainees of Indian Forest Service (2022 batch) at their convocation ceremony at the Indira Gandhi National Forest Academy,

Dehradun today (April 24, 2024).The President said that today we talk about the Anthropocene Age, which is the period of human-centric development. During this period, disastrous results have emerged along with development. Unsustainable exploitation of resources has brought humanity to a point where the standards of development have to be re-evaluated. She stressed on the importance of understanding that we are not the owners of the earth's resources, but we are trustees. Our priorities should be ecocentric along with anthropocentric. In fact, only by being ecocentric we will be able to be truly anthropocentric, she stated.

राष्ट्रवादी ताकतों को मजबूत करने के लिए करें मतदान – देवनानी

अजमेर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एक बयान जारी कर अजमेर जिले के लोगों से राष्ट्रवादी ताकतों को मजबूत करने के लिए मतदान करने की अपील की है।

अजमेर उत्तर क्षेत्र से विधायक देवनानी ने कहा कि राष्ट्रहित और व्यापक जनहित में राष्ट्रवादी ताकतों को जितायें। ऐसी पार्टी और प्रत्याशी को विजयी बनाएं जो विकास और सभी को साथ लेकर चलने की समन्वित सोच रखते हैं।

बयान में उन्होंने कहा कि देश पिछले एक दशक से निरंतर तरक्की कर रहा है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में युवा, बुजुर्ग, महिला सहित सभी वर्ग राष्ट्र को आगे ले जाने के इस यज्ञ में आहूति दें और 26 अप्रैल को अधिक से अधिक मतदान करें।

देवनानी ने कहा कि पिछले एक दशक से देश में राष्ट्रवादी सरकार है। इस सरकार ने विश्वपटल पर भारत को एक नयी ऊंचाई तक पहुंचा दिया है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक,सामरिक और हर दृष्टिकोण से वर्तमान सरकार ने पूरे विश्व में भारत का सिर गर्व से ऊंचा किया है।दूसरी ओर विखंडनकारी शक्तियां हैं जो भारत को सदैव नुकसान पहुंचाती रही और अपना घर भरती रहीं। हमें देश में राष्ट्रवादी शक्तियों को मजबूत करना है। आने वाला समय विश्व में एक सशक्त भारत का परिचायक बनेगा।

वर्ष 2047 तक हम विश्व के विकसित राष्ट्रों की कतार में खड़े होंगे। देश को आतंकवाद, अपराध, आर्थिक अनियमितताओं और गड़बड़ियों से निजात दिलानी हैं तो हमें राष्ट्रवादी शक्तियों को मत और समर्थन देना होगा।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114

Email ID sabgurunews@gmail.com

अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.

जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी का किशनगढ़ शहर में भव्य रोड शो

अजमेर। लोकसभा चुनाव में अजमेर संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी भागीरथ चौधरी ने बुधवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन किशनगढ़ विधानसभा के शहरी क्षेत्र में रोड शो के जरिए आमजन का समर्थन हासिल किया तथा बीजेपी के पक्ष में मतदान कर विजयी बनाने की अपील की।

चौधरी के रोड शो के दौरान शहरवासियों ने जगह पुष्प वर्षा कर उनका जोरदार स्वागत कर भाजपा को मत और समर्थन का भरोसा दिलाया। रोड शो सुबह 9 बजे गोबरिया गणेश मंदिर से आरंभ हुआ। लक्ष्मीनारायण मंदिर से होते हुए मुख्य चौराहा पर समापन हुआ।

सांसद प्रत्याशी भागीरथ चौधरी ने चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक नगर कस्बे तथा गांवों तक मतदाताओं से संपर्क साधा। रोड शो के दौरान भी उन्हेंजनता का भरपूर आशीर्वाद मिला। इस दौरान किसान बोर्ड अध्यक्ष सीआर चौधरी, जिला प्रभारी बिरमदेव सिंह, सभापति दिनेश सिंह राठौड़, मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन, जिला महामंत्री वेदप्रकाश दाधीच, जिला उपाध्यक्ष सीमा अखावत, रेलवे सलाहकार महेन्द्र पाटनी, जुगल किशोर, भाजपा नेता सुभाष चौधरी, मण्डल अध्यक्ष राजीव शर्मा, दीपेश गुप्ता, रामावतार वैष्णव, अनिल शर्मा, रामसिंह राठौड़ए रामस्वरूप सुण्डा, महिला मोर्चा अध्यक्ष संतोष पारीक, नीतू बल्दवा, मृदुला व्यास, शतविभा पाराशर, सविता गुप्ता, एडवोकेट रुपेश शर्मा, सतीश अग्रवाल, संजय पापड़ीवाल सहित क्षेत्र के सरपंचगण, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्यए भाजपा मंडल अध्यक्ष, मण्डल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी संयोजक, बूथ अध्यक्ष क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव : कांग्रेस कर रही प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी की जीत के दावे

अजमेर। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए प्रचार का धूम धडाका थमने के ऐन पहले बुधवार को अजमेर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस में पार्टी प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी की जीत का दावा किया। कांग्रेस के नेताओं का कहना था कि परिवर्तन की बयार चल रही है। प्रचार के दौरान जनता का उत्साह साफ संकेत दे रहा है कि वो किसी झांसे और जुमलेबाजी में नहीं आने वाली। कांग्रेस ही विकास और देश को सही दिशा देने वाली पार्टी है। मतदान 26 अप्रैल को होगा।

300 पार और इस बार 400 पार के पीछे कौनसा जादू:-कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शी भटनागर ने कहा कि प्रदेश में प्रथम चरण के चुनाव का माहौल कांग्रेस के पक्ष में नजर आ रहा है। पहले चरण में झांसे में ना आने वाली जनता को साधने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के अन्य नेताओं ने झूठ का रास्ता पकड़ लिया। कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र से घबराई भाजपा को इस सवाल का जवाब देना चाहिए कि उन्होंने हमारे घोषणा पत्र में जनता के ध्रुवीकरण, तुष्टीकरण, सोना छीनने, संपत्ति बांटने का शब्द तक पढ़ा हो। भाजपा की तरफसे लगाए जा रहे अनर्गल आरोपों और झूठ पर झूठ बोलने से उनकी हताशा स्पष्ट झलक रही है। भटनागर ने सवाल उठाया कि भाजपा साबित करें कि उसके पास ऐसा कौनसा जादू है कि उसने चुनाव आरंभ होने से पहले ही साल 2019 में 300 पार और इस बार 400 पार सीटों पर जीत का आंकडा तय कर लिया। प्रधानमंत्री मोदी के पास जनता के बीच बोलने को कुछ नहीं है। मोदी को समझ लेना चाहिए कि साल 2019 के चुनाव में जाने से पहले भी 300 पार किए। जनता को भ्रमित करने वालों को इसका परिणाम भोगने के लिए तैयार रहा होगा।

बाहेती को वोटिंग से पहले ही दिख रही रामचंद्र चौधरी की जीतः-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्रीगोपाल बाहेती ने पूरे आत्मविश्वास कें साथ कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी की जीत सुनिश्चित है। हमने प्रचार में कोई कमी नहीं छोडी। आम जनता से मिला समर्थन और कांग्रेस कार्यकर्ता के प्रयास से कांग्रेस की डगर पर चल पडी है। चुनाव प्रचार भले ही थम गया होए पर अब घर घर मिलकर अपनी बात पहुंचाएंगे। कांग्रेस का गारंटी कार्ड जारी होने के बाद से बीजेपी बौखलाई हुई है। पीएम मोदी खुद हताश हैं। पहले चरण में माहौल कांग्रेस के पक्ष में दिख रहा है। इससे बीजेपी के खेमे में हडकंप मचा हुआ है। बाहेती ने सवालिया अंदाज में कहा कि अजमेर से कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी ने अजमेर डेयरी को देश में नंबर दो के मुकाम तक पहुंचाया। भाजपा के भागीरथ बताएं उनके पांच साल का रिकार्ड क्या है। संसद में कितनी बार बोले। खुद मोदी ने भाईयों और बहनों बोलने के सिवा कुछ नहीं किया। कांग्रेस की उपलब्धियों को जुबां पर लाने में मोदी के मुंह में बर्फ जम जाती है। देश की आजादी की लडाई कांग्रेस ने लडी। राहुल गांधी की दादी, पिता तक शहीद हुए। जो राम को लाएं हैं हम उनको लाएंगे के बीत गा रहे बीजेपी नेताओं को सनद रहे कि राम मंदिर का ताला कांग्रेस न खुलवाया, पूजा राजीव गांधी ने शुरू करवाई लेकिन भाईचारा कायम रखने के लिए मंदिर नहीं बनवाया। भाजपा क्या राम को लाएगी राम तो खुद भगवान हैं। राम तो शबरी की झोंपडी और केवट की नाव में मिलते हैं।

शाईनिंग इंडिया के नारे जैसा होगा भाजपा का हालः-महेन्द्र सिंह रलावता ने कहा कि अजमेर में कांग्रेस के प्रति रूझान है। परिवर्तन की बयार चल रही है। हमारे प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी जीतेंगे। याद रखने वाली बात है कि साल 2004 में भाजपा ने शाईनिंग इंडिया का नारा दिया था और जनता ने एक झटके में नकार दिया मनमोहन सिंह की सरकार बनी। विधानसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद पर होने के बावजूद वासुदेव देवनानी चुनाव प्रचार कर रहे हैं लोगों को डरा धमका रहे हैं। बडा सवाल यह है कि क्या अजमेर में पानी आ गया, सडकें बन गई, प्रदेश में बनी पर्ची की सरकार का भगवान मालिक है। रलावता ने दावा किया कि प्रथम चरण के चुनाव में हम प्रदेश में 12 में 9 सीटें जीतेंगे। फैसला भी जनता दे चुकी है। अजमेर रामचंद्र जीत रहे हैं। अजमेर बेजुबान नहीं रहेगा अब संसद में अजमेर की आजाव गूंजेगी। आने वाला समय कांग्रेस का होगा।

महिलाओं का मंगलसूत्र तो खुद मोदी ने छीना हैः-नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेत्री द्रोपदी कोली ने कहा कि देश, प्रदेश और निगम तक में भाजपा के राज के बावजूद अजमेर की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। यहां की जनता सब देख रही है। धर्म के नाम पर जीतने का सपना देख रही भाजपा के नेता बताएं कि राम को लाने वाले ये होते कौन होते हैं राम तो खुद भगवान है। एक तरफरोजगार के लिए युवा भटक रहे हैं। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान आमजन को राहत देने के लिए लागू की गई योजनाएं सिर्फ कांग्रेस विरोध के चलते खत्म कर दी गई। महिलाओं पर अत्याचार रोकने को लेकर कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा। नोटबंदी कर गरीबों को सताया।

महिला हितैषी होने की बात करने वाले ये जान लें कि सोना कभी 20 से 24 हजार रुपए तोला में मिल जाता था अब 75000 रुपए तोला हो गया। महिलाओं का मंगलसूत्र तो मोदी ने छीना है। मोदी देशवासियों को अपना परिवार बोलते हैं। कभी अपन पत्नी को पत्नी नहीं बोलते। उसकी महिला की पीड़ा किसी ने नहीं सुनी। संस्कारवान होने के कारण वह चुप रहती है। कोली ने कहा कि अजमेर जिले की जनता सोच समझ कर वोट करेगी। गुमराह करने वालों और हाहाकार से भ्रमित नहीं होने वाली है। कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी जैसे कर्मठ और जुझारू की जीत होगी।

नाबालिग से रेप करने के दोषी सगे मौसा को 20 वर्ष की जेल

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के पोक्सो न्यायालय ने मंगलवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी मौसा को 20 साल के कारावास और अर्थदंड से दंडित किया।लोक अभियोजक रूपेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि मामला 16 जुलाई 2023 का केकड़ी के बोराड़ा थाने से जुड़ा है जहां सगे मौसा ने 16 वर्षीय किशोरी के साथ विभिन्न स्थान पर ले जाकर दुष्कर्म किया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। दुष्कर्म के इस मामले में पोक्सो न्यायालय के न्यायाधीश बन्ना लाल जाट ने अपने फैसलेमें दुष्कर्म के आरोपी मौसा को 20 साल का कारावासए 49 हजार के आर्थिक दंड से दंडित किया है। न्यायाधीश ने अपने फैसले में पीड़िता को प्रतिकर स्कीम में छह लाख रुपए दिए जाने के भी आदेश दिए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)